सेब

फसल-कटाई

आमतौर पर सेब सितम्बईर-अक्तू बर से फसल-कटाई के लिए तैयार होते हैं लेकिन नीलगिरि में ऐसा नहीं होता है जहां मौसम अप्रैल से जुलाई होता है। विकसित की गई किस्मब पर निर्भर करते हुए पूर्ण पुष्पत पुंज अवस्थाम के बाद 130-135 दिनों के भीतर फल परिपक्वै होते हैं। फलों का परिपक्वरन रंग में परिवर्तन , बनावट, गुणवत्ताद और विशेष स्वामद के विकास से जुड़ा होता है। फसल-कटाई के समय फल एकसमान , ठोस और भुरमुरा होने चाहिएं। परिपक्वुन के समय त्वाचा का रंग किस्म। पर निर्भर करते हुए पीला-लाल के बीच होना चाहिए। तथाप़ि फसल-कटाई का सर्वोत्तरम समय फल की गुणवत्ताड और भंडारण की अभीष्टर अवधि पर निर्भर करता है। डर्राफ रूटस्टाएक की शुरूआत की वजह से, हाथ से चुनाई की सिफारिश की गई है क्योंरकि इससे अभियांत्रिक फसल-कटाई के दौरान फल गिरने की वज़ह से ब्रूजिंग में कमी आएगी।

पैदावार

सेब के पेड़ पर 4थें वर्ष से फल लगने शुरू होते हैं। किस्मर और मौसम पर निर्भर करते हुए , एक सुप्रबंधित सेब का बगीचा औसतन 10-20 कि.ग्रा./पेड़/वर्ष की पैदावार देता है।